Dainik Bhaskar (Indore), 5th March 2021, Page-6

4600 कोचिंग, 7 लाख बच्चे, ये कोटा के बाद सबसे ज्यादा, 140 सीबीएसई स्कूल, अब 2 इंटरनेशनल लेवल के स्कूल भी आएंगे

इंदौर का एजुकेशन न केवल आईआईटी और आईआईएम यहां, बल्कि इंजीनियरिंग के दो श्रेष्ठ संस्थान आईईटी और एसजीएसआईटीएस भी यहीं

भास्कर संवाददाता | इंदौर

एजुकेशन सेक्टर में इंदौर ने 10 साल में बड़ी तेज रफ्तार से तरक्की की है। आईआईएम, आईआईटी एक ही शहर में होने का गौरव हासिल करने वाले इंदौर में अब 4600 से अधिक छोटी-बड़ी कोचिंग क्लासेस हो गई है, जिनमें करीब 7 लाख बच्चे पढ़ रहे हैं। ये टू टियर सिटी में कोटा के बाद सबसे अधिक है। खास बात ये है कि कोटा में कोचिंग के बाद बच्चों को दूसरे आगे की पढ़ाई के लिए दूसरे शहरों का रुख करना पड़ता है, लेकिन इंदौर में उनके लिए आईआईटी, आईआईएम जैसे राष्ट्रीय स्तर के संस्थान, सिम्बॉयसिस, नरसी मुंजी, वैष्णव, देवी अहिल्या सहित 10 बड़ी यूनिवर्सिटी, 55 से अधिक इंजीनियरिंग और 3 मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश के अवसर रहते हैं। इसकी वजह से अब देश के कई राज्यों से बच्चे पढ़ने के लिए इंदौर आ रहे हैं। पहले सिर्फ मप्र के बच्चों के लिए ये बड़ा केंद्र था, अब राजस्थान, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, उत्तराखंड और दक्षिण भारत के राज्यों के बच्चे यहां करियर बनाने के लिए आते हैं। वे यहां न सिर्फ प्रोफेशनल पढ़ाई कर रहे, बल्कि स्कूलिंग भी यहीं से करने लगे हैं। शहर में 140 सीबीएसई स्कूल हैं, जो इंटरनेशनल लेवल पर पढ़ाई करवा रहे हैं। यहां पढ़ने वाले बच्चे एक्सचेंज कार्यक्रम के तहत यूरोप, अमेरिका के बड़े स्कूलों में पढ़ने जाते हैं।

एजुकेशन एक्सपर्ट के मुताबिक, अगले दो साल में सांवेर रोड और बायपास पर दो बड़े इंटरनेशल स्कूल आने के बाद इंदौर नेक्स्ट लेवल पर होगा। कई बड़े स्कूल विस्तार की योजना बना रहे हैं तो कुछ मेडिकल कॉलेज भी यहां आने की तैयारी में हैं।

सिमरोल स्थित 500 एकड़ में फैला आईआईटी का कैंपस। यहां मुख्य प्रशासनिक भवन 'अभिनंदन' तैयार हो चुका है। इसके अलावा अन्य निर्माण कार्य भी चल रहे हैं।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दिलवाएगी अलग पहचान

प्रबंधन और तकनीक के श्रेष्ठतम संस्थानों के साथ इंजीनियरिंग संस्थानों की शृंखला इंदौर को सबसे अलग रखती है। अब हमें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ शोध पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। सरकारी प्रयासों की भी जरूरत है।

– पुरुषोत्तमदास पसारी, कुलाधिपति, श्री वैष्णव विद्यापीठ विवि इंदौर

हमारी शिक्षा को अंतरराष्ट्रीय संस्थानों से जोड़ना चाहिए

कोरोना ने हमें शिक्षा में भी नया करने का मौका दिया। आने वाला समय पूरी तरह से ना ऑनलाइन होगा ना ऑफलाइन बल्कि दोनों का कॉम्बिनेशन होगा। यह हमें अंतरराष्ट्रीय स्तर के शिक्षकों को अपने से जोड़ने का मौका देगा।

– अचल चौधरी, प्रेसीडेंट, आईपीएस ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशंस

रैंकिंग में मुंबई को पीछे छोड़ चुका इंदौर आईआईटी

शहर में जितने भी बड़े शैक्षणिक संस्थान हैं, वे सब आला दर्जे के हैं। आईआईटी में 40 कोर्स संचालित हो रहे हैं और यह एक दफा रैंकिंग में आईआईटी मुंबई को पीछे छोड़ चुका है। अभी यहां 2200 छात्र हैं। आने वाले समय में इसकी क्षमता चार हजार छात्रों की हो जाएगी। आईआईएम देश का दूसरा ऐसा इंस्टिट्यूट है, जिसके पास ट्रिपल क्राउन है। रैंकिंग में ये देश के टॉप मैनेजमेंट संस्थान में शामिल है। इसका बेच साइज सबसे बड़ा है। आईआईएम इंदौर 12वीं बाद आईपीएम कोर्स शुरू करने वाला भी पहला संस्थान है।

शहर में 1000 होस्टल, 2.5 लाख छात्र रहते हैं यहां

इतने सारे शैक्षणिक संस्थान के चलते शहर में एक हजार होस्टल खुल गए हैं। इसके अलावा इंदौर से बेहतर रोड और हवाई कनेक्टिविटी के कारण छात्रों के लिए यहां रहना और आना-जाना मुश्किल नहीं होता।

प्रदेश के दो बड़े इंजीनियरिंग संस्थान भी इंदौर में

इंदौर के साथ एक और उपलब्धि जुड़ी हुई है कि यहां प्रदेश में इंजीनियरिंग के दो श्रेष्ठ संस्थान आईईटी (इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी) और एसजीएसआईटीएस (श्री गोविंदराम सेकसरिया इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस) मौजूद हैं। एसजीएसआईटीएस प्रदेश का पहला सरकारी कॉलेज है, जिसमें सबसे ज्यादा प्लेसमेंट हैं। रिसर्च के मामले में ये देश में टॉप 20 में शामिल है। बड़ी औद्योगिक समूह यहां से रिसर्च वर्क करवाते हैं। कई कंपनियों के प्रोडक्ट भी यहीं से प्रमाणित हुए हैं।